हिंदी प्रेस क्लब

प्रवाह

बिट्स में बहती खबरों की धारा

पिलानी - गुरूवार , 29 अप्रैल,2010

निरुपम,राजशेखर
सुरभि
प्रतीक, सुमन
शैलेश, पुष्प
नित्य ,रितु

आलोक
प्रेम
ऋत्विक
लोकेश
गणेश
विभु
सौरभ
उज्जवल
कुलदीप

किशन
विकल्प
नीतिश
निमिष
अर्पिता
सुरभि
स्वाति
रोहन
प्रतीक
सौरव

निशांक
अनुजा
अंजुम
रोहित
राहुल
विकास
संकल्प
अनमोल
आयुष
कजरी
पूजा
मृगांक
नितीश
बजाज
डीके
अभिनव

किसी भी चीज़ की कीमत हम शायद तभी समझ पाते हैं जब वो हाथ से जाने लगती है | जैसे-जैसे जाने का समय नज़दीक आ रहा है वैसे-वैसे ये एहसास होता जा रहा है कि क्या कुछ पीछे छूटने वाला है ? इन चार सालों में अपने आप में और अपने दोस्तों में आये ज़मीन आसमान के फर्क को देख कर इसका अंदाज़ा लगा सकता हूँ कि इस जगह ने ,इस कॉलेज ने हमें कितना कुछ दिया है |

कभी-कभी लगता है काश हम समय को रोक पाते | किन्तु जीवन एक निर्झर की तरह है आगे बढ़ता रहता है | इस जगह को छोड़ने का मन तो नहीं करता लेकिन मैं जानता हूँ कि अब शायद ऐसा कुछ भी नहीं है जो इस जगह से लिया जा सके या इसे दिया जा सके और इसलिए आगे बढ़ जाना ही सही है |

परिवर्तन प्रकृति का नियम है | जो समय के साथ नहीं बदलता वो प्राचीन हो जाता है और भुला दिया जाता है | बिट्स भी आज एक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है | बिट्स को एक अंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित करने का एक बड़ा संकल्प लिया गया है | इसे पूरा करने के लिए कुछ मूलभूत परिवर्तनों की आवश्यकता है | उम्मीद है कि यह संकल्प पूरा होगा और आज से कुछ सालों बाद जब हम अपने कॉलेज की बात करेंगे तो आँखों में चमक होगी ये जानकर कि हमारा कॉलेज नयी बुलंदियों को छू रहा है |

वैसे जिनके अभी कुछ दिन बाकी हैं कैम्पस पर , उनसे मेरा यही अनुरोध है कि हर पल, हर क्षण और हर मौके को निचोड़ लीजिये ताकि जब आप पीछे पलटकर देखें तो आपके मन में कुछ न कर पाने का मलाल न रह जाये | किसी ने ठीक ही कहा है- आप एक बार ही जी सकते हैं किन्तु अगर सही तरीके से जियें तो एक बार ही काफी है |

वैसे पहली बार प्रवाह के लिए सम्पादकीय लिखा है | अच्छा है सेंटी सेम में ये भी कर लिया :) |

-नित्य

(धन्यवाद प्रवाह, सदा बहती रहना, लेकर यहाँ सच्ची खबरों की धारा..... | तुम्हें रोकने को रहेंगे लोग तत्पर, पर तुम हे सरस्वती रूपा, सदा बहती रहना, गूँजती रहना ||)

अन्दर के पन्नों पर :

• *एक था गधा*	• *अन्ताक्षरी*
• *पहल*	• *प्लेसमेंट*

अपोजी समीक्षा समिति

5 अप्रैल 2010 को ARC अर्थात अपोजी समीक्षा समिति की बैठक में लोगों का जमावड़ा देखने लायक था | विद्यार्थी परिषद् और अपोजी में काम करने वाले क्लब व डिपार्टमेंट के बीच होने वाली इस बैठक का उद्देश्य अपोजी की समीक्षा करना और उसे और बेहतर बनाने के लिए इस बार हुई गलतियों को सुधारने हेतु सुझाव देना होता है | SAC amphi में हुई इस बैठक की शुरुआत हुई डिस्सिप्लिन अस्सोक्स से | जहाँ केमिकल अस्सोक को कोई मसले नहीं थे, वहीं EEE व Enl अस्सोक्स को अपोजी के दौरान कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ा जैसे A8 के समन्वयक मोहित प्रोजेक्ट्स के श्रेणियों में विभाजन से संतुष्ट नहीं दिखे | उन्होंने प्रोजेक्ट्स को श्रेणियों में विभाजित करने की जगह अस्सोक-वाइज़ विभाजित करने की वकालत की | जेन सेक राघव मिमानी ने उन्हें भरोसा दिलाया कि वे इस बारे में बाकी अस्सोक के समन्वयकों के साथ एक बैठक कर इस पर सर्व सहमति से कोई फैसला लेंगे | अन्य डिस्सिप्लिन अस्सोक्स में b1 और b3 के समन्वयकों ने प्रचार में कमी की शिकायत की | b3 के समन्वयक श्याम सुंदर ko PAP से काफी शिकायतें दिखीं | उनके अनुसार PAP द्वारा किया गया प्रचार संतोषजनक नहीं था | PAP के कोस्टा देवांशु द्विवेदी ने अपनी सफाई में यह कहा कि उन्होंने अपना काम ठीक तरीके से किया पर बाहरी सामंजस्य में कमी के कारण दिक्कतें आई | b5 के समन्वयक सौरभ चौबे ने भी अस्सोक-वाईस प्रोजेक्ट डिस्प्ले की बात की | कोस्टा बॉडी में स्पॉन्स के कोस्टन सूर्य महाजन ने सभी को पूरे सहयोग के लिए धन्यवाद् दिया | कंट्रोल्स द्वारा एक दिन के लिए आये प्रतिभागियों से पूरा पंजीकरण शुल्क लिए जाने पर भी प्रश्न उठा | इसके जवाब में कोन्त्रोल्ज़ ने अगली बार से 'डे रेजिस्टरेशन' न रखने का सुझाव दिया | कंट्रोल्ज़ ने भी अपोजी के पश्चात विभिन्न अस्सोक द्वारा अपना रूम न साफ़ किये जाने पर परेशानी होने की बात रखी | गौरतलब है कि अपोजी के समापन के बाद कंट्रोल्स को सभी कमरे इंस्टी को वैसे ही वापस करने होतें है जैसे उन्हें मिले थे ,पर अस्सोक्स की लापरवाही से कंट्रोल्स को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा | cctv ने इनौग-विडियो के एक अन्य विडियो से लिए जाने के मुद्दे पर कहा की हमारा विडियो सिर्फ उस विडियो से प्रेरित था | इसके अलावा उन्होंने बताया की अपोजी वेबसाईट के निर्माण में उन्होंने अपनी ओर से कोई कसर नहीं छोड़ी, और इस तीन महीने की मेहनत में उन्होंने अपना पूरा प्रयत्न किया | देखा जाये तो पूरी बैठक के दौरान GBM का खूब मनोरंजन हुआ और यही सब गलतियाँ न दोहराने की शपथ के साथ इस ARC की बैठक का समागम हुआ

अपोजी के पश्चात- cctv अब एक मेजर डिपार्टमेंट है और कोस्टा बॉडी में शुमार हो गया है |

वाणी 2010

बिट्स की एक मात्र वार्षिक हिंदी पत्रिका वाणी जल्द ही आपके हाथों में होगी | हिंदी प्रेस परिवार उन सभी छात्रों और शिक्षकों का सहृदय धन्यवाद करता है जिन्होंने अपनी रचनाओं से वाणी 2010 को सुसज्जित किया | इस वर्ष भी वाणी के लिए हज़ार से अधिक साइनिंग्स कराना हमारे लिए काफी उत्साहवर्धक रहा | उम्मीद है कि वाणी 2010 आपकी आशाओं पर खरी उतरेगी |

एक हादसा जो टल गया

पिछले दिनों बिड़ला म्यूज़ियम में एक बड़ा हादसा होने से टल गया | 19 अप्रैल की सुबह करीब सवा दस बजे वहाँ के कर्मचारी ने वहीं रखी कार के पास आग की लपटें देखी | तत्काल ही फायर ब्रिगेड को खबर की गयी | बिड़ला म्यूज़ियम के कर्मचारियों ने अपनी जान पर खेल कर आग बुझाने की कोशिश की और करीब एक घंटे में ही फायर ब्रिगेड की मदद से आग पर काबू पा लिया गया | आग की वजह से म्यूज़ियम की संपत्ति को अधिक नुकसान नहीं हुआ और म्यूज़ियम का काम सुचारू रूप से चल रहा है |

टेक बाज़ार

उद्यमवृत्ति को प्रोत्साहन देने के लिए बिट्स पिलानी में 26 और 27 मार्च 2010 के दौरान टेक बाज़ार नामक राष्ट्रीय सम्मलेन आयोजित हुआ | यह सम्मलेन आंत्रप्रेन्योर्शिप डेवलपमेंट एंड इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टी राइट्स विभाग ने आयोजित किया जिसमें प्रतिरूप प्रदर्शनी, संवादात्मक सत्र ,वाद-विवाद और पैनल परिचर्चा आदि का आयोजन हुआ | सम्मलेन का उद्घाटन बिट्स पिलानी के वाईस चांसलर एल .के.माहेश्वरी के संबोधन एवं एसबीबीजे बैंक के मेनेजर सुधीर दुबे के अभिभाषण से हुआ | कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण रहा "टॉक द वॉक " जिसमें ब्रह्मम नेट सोल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर राकेश कुमार एवं नोकिया के व्यापारिक एवं कार्यनैतिक मेनेजर अभिनव खुल्राज ने क्रमशः "व्यापारिक असफलताओं पर रोक" और "कल्पना विरुद्ध नवोत्पादन" पर अपने विचार प्रस्तुत किये | 27 मार्च अलसुबह ही नाना प्रकार के प्रोजेक्ट्स का आंकलन आरम्भ हो गया था | प्रौद्योगिकी के हर क्षेत्र से सम्बंधित प्रोजेक्ट यहाँ पर मौजूद थे | इनमें से प्रमुख थे सौर प्रशीतन यन्त्र, प्रकाश निरीक्षक रोबोट, जल विलयशील बैग, चलायमान तख्तियाँ इत्यादि | पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए बनाये गये प्रोजेक्ट्स ने पुरस्कारों के साथ-साथ सभी विश्लेषकों की प्रशंसा भी प्राप्त की | एफ़आरपी बरस प्रोजेक्ट ने 11000 रुपयों का प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया | ग्रीन प्लास्टिक्स और एप्पेंदोर्फ़ पुनर्प्रयोग क्लीनर ने क्रमशः 9000 रुपयों का तृतीय और 7000 रुपयों का चतुर्थ पुरस्कार हासिल किया | इस वर्ष विशेष बात यह रही कि टेक बाज़ार एपोजी के अंतर्गत नहीं बल्कि एक स्वतंत्र आयोजन के रूप में आयोजित हुआ |कुल मिलाकर यह सम्पूर्ण आयोजन काफी सफल रहा |

हलचल

> *चांसलर महोदय श्री के. एम. बिरला द्वारा बिट्स पर लगभग 3 मिनट का कॉरपोरेट विज्ञापन बनाने के लिए पेशेवर फ़िल्मकार 'क्रॉस फायर' - मुंबई की नियुक्ति |*

> *मेसों में शुरू हुए 'कैफेटेरिया' ने लोगों का बदला मिजाज़ |*

> *आई.पी.एल के सेमी फ़ाइनल और फ़ाइनल मैचों के ऑडी में लाइव प्रसारण का जनता ने भरपूर लुत्फ़ उठाया |*

> *गर्मी ने पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ते हुए एक बार फिर लोगों का जीना किया मुश्किल |*

> *सेंटी नाईट और गुरुकुल नाईट ने लोगों को परीक्षाओं से भरे व्यस्ततम स्केड्यूल में नाचने गाने का का सुनहरा अवसर दिया |*

शाम-ए-ग़ज़ल

रागमल्लिका द्वारा शाम-ए-ग़ज़ल के तीसरे संस्करण का आयोजन 20 अप्रैल को एलटीसी क्यू.टी में किया गया | खुले आसमान के नीचे घास पर प्रकृति की गोद में बैठकर गजल सुनने का आनंद, बिजली गुल हो जाने पर चांदनी के प्रकाश में प्रतीक महेश्वरी की प्राकृतिक आवाज़ से कई गुना बढ़ गया | **' और आहिस्ता कीजिये बातें '** सबने साथ मिलकर गुनगुनाया, उत्तरा और प्रतीक के युगल गीत **' होश वालों को खबर क्या.. '** ने समाँ बांध दिया | शाम परवान चढ़ने लगी, **' होठों से छू लो तुम '** , ' तुम इतना जो मुस्कुरा रहे हो ' दिल को छू गए | तबले पर रिद्धिदेव और वोइलिन पर श्रवण ने जलवे दिखाए | निश्चय ही शाम ए ग़ज़ल एक सफल आयोजन रहा |

पहल

4 अप्रैल को बिट्स के नए निदेशक श्री जी.रघुरामा, एस.डब्लू.डी. डीन श्री बी.वी. बाबू, श्री एन.वी. मुरलीधर राव, चीफ वार्डेन एस.के. वर्मा, भवन सुप्रिन्टेन्डेंट तथा भवन वार्डनों ने सभी भवनों का दौरा किया और छात्रों से रूबरू हुए | श्री रघुरामा बिट्स पिलानी को 2012 तक भारत में पहले तीन और 2020 तक दुनिया के श्रेष्ठ सौ विश्व विद्यालयों की सूची में देखना चाहते हैं | इसी पथ पर आगे बढ़ते हुए एक छोटा सा कदम था विद्यार्थियों से चर्चा करके, उनके द्वारा यहाँ बिताये जा रहे समय को सफल, प्रभावशाली एवं सुखद सुनिश्चित करने का | इस सम्पूर्ण चर्चा का विषय छात्रों को गैर शैक्षिक क्षेत्र में ले जा सकने वाले परिवर्तनों की विवेचना करना था। उनके मुताबिक आज ए.सी. या कूलर हमारी प्राथमिकता नहीं हैं | हमें, यहाँ अपने सांझे प्रयास द्वारा 2020 के लक्ष्य को पूरा करना है। इस चर्चा में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर उत्साह दिखाया | चर्चा में मौजूद छात्रों ने इंट्राबिट्स के सही उपयोग एवं शिक्षकों के उसमें अधिक से अधिक योगदान पर ज़ोर डाला | छात्रों ने अपील करते हुए कहा कि विद्यार्थियों का हर गतिविधि में अपना सहयोग देने के लिए, आवश्यकता है विद्यार्थी-शिक्षक के रिश्ते को और मजबूत बनाने की | चर्चा के मुख्य विषय रहे प्रैक्टिस स्कूल और उनसे जुड़ी आम बातें, जिसके उत्तर में रघुरामा सर ने बताया कि बिट्स का प्रैक्टिस स्कूल सेल एक सुव्यवस्थित तरीके से गठित है, पी-एस-1 में विद्यार्थिओं से अपेक्षा की जाती है कि वे न केवल वस्तु निर्माण कला में निपुण बनें अपितु कंपनी के प्रबंधन एवं व्यावहारिकता को भी जानें | वहीं पी-एस-2 प्रॉजेक्ट से जुड़ा होता है, जिसमें यह कोशिश की जाती है कि विद्यार्थी अपने विषय को अधिक गहराई से जान पाएँ | आगे बढ़ते हुए उन्होंने 'फीड-बैक' सुविधा पर ज़ोर डालते हुए कहा कि हर किसी को इसका फायदा उठाना चाहिए | इसके अतिरिक्त इन्टरनेट स्पीड बढ़ाने, लैब्स के सुधार आदि बातों पर भी मनन किया गया। साथ ही मेस में भोजन की गुणवत्ता बढ़ाने की बात की गयी और हॉस्टल में सफाई बढ़ाने के लिए भी उपाय सुझाए गए। विभिन्न भवन प्रतिनिधियों ने अपनी समस्याएँ उनके समक्ष रखीं जिनके निदान का आश्वासन दिया गया।

एल.के.माहेश्वरी संस्था की स्थापना

14 अप्रैल, 2010 के दिन प्रोफेसर एल.के.माहेश्वरी संस्था की स्थापना हुई | ई.ई.ई ब्रांच में पिछले 45 वर्षों से कार्यरत प्रोफेसर माहेश्वरी ने एक संस्था स्थापित की जिसका मूल उद्देश्य ई.ई.ई और इससे सम्बंधित विषयों में अनुसंधान एवं खोज की भावना को बढ़ावा देना है | सर्वप्रथम संस्था का उद्घाटन सीरी के निदेशक डॉ. चन्द्र शेखर ने किया | उद्घाटन समारोह की शुरुआत सरस्वती वन्दना से हुई | तत्पश्चात् डॉ. रघुरामा ने डॉ. चन्द्र शेखर की उपलब्धियों के बारे में बताया | फिर एल.के माहेश्वरी जी ने उन्हें बिट्स अलुम्नस अवार्ड दिया | इसके पश्चात् डॉ. बी.के. दुबे ने संस्था के बारे में विस्तार से बताया एवं संस्था के कार्यों से लोगों को अवगत कराया जैसे कि वार्षिक तकनीकी सम्मेलन, योग्य और ज़रूरतमंद विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता देना , विभिन्न विषयों पर लेक्चर का आयोजन करना, और वर्ष की सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी छात्रा को सम्मानित करना आदि | इसके बाद डॉ. चन्द्र शेखर ने संस्था की ओर से सबसे पहला लेक्चर दिया | अंत में डॉ. सुरेखा भानोत ने समारोह में प्रस्तुत सभी का आभार व्यक्त किया |

कैम्पस से जुड़ी अन्य ख़बरों के लिए देखते रहें **hpc-bits.blogspot.com**

अपने सुझाव हमें भेजें - **hindipressclub@gmail.com**

अन्ताक्षरी

अन्ताक्षरी का आयोजन HAS द्वारा 10 अप्रैल को किया गया | T1 और T2 की तंग श्रंखला के बाद आयोजित किये गए इस इवेंट में काफी अच्छी भागीदारी हुई और जनता ने काफी उत्साह दिखाया | एलिम्स में 25 टीमों के बीच कड़ी टक्कर के बाद 6 टीमें चुनी गयीं | अन्ताक्षरी में 5 राउंड्स रखे गए - साधारण अन्ताक्षरी, धुन राउंड, बूझो तो जानें (थीम राउंड), इशारों ही इशारों में और अंतरा राउंड | इवेंट में लागू किये गए नए प्रकार के नियमों को जनता ने खूब सराहा, जैसे कि सभी राउंड्स में 'बर्गलर' सवाल रखे गए थे, जिससे कि जीतती हुई टीमों के अंक चुरा कर बाज़ी मारी जा सके | जनता के लिए मजेदार सवाल भी रखे गए थे जिनके उत्तर देकर चॉकलेट्स पाने के लिए लोगों ने अत्यधिक उत्साह दिखाया | इस इवेंट की सबसे ख़ास बात यह रही कि एलिम्स में चयनित न हुई टीमों ने निराश न होते हुए इवेंट के शानदार गानों और सवालों का लुत्फ़ उठाया | HAS के द्वारा रखे गए गानों, जैसे कि 'हवा हवाई', 'मेरे अंगने में', 'लाल दुपट्टे वाली' ने एक शानदार माहौल बनाए रखा | प्रगति सिंघल और अथर्वदीप अग्रवाल ने निर्णायक की भूमिका निभायी एवं शुभी अग्रवाल और वरुण देव सोलंकी ने अन्ताक्षरी की मेजबानी की | यह इवेंट खासा सफल रहा और जनता के द्वारा इसे खूब पसंद किया गया |

एक था गधा...........

प्रखर प्रभाकर
'कोतवाल'

धनन्जय गौड़
'नवाब'

13 अप्रैल को FD-II क्यू.टी. में हिंदी ड्रामा क्लब द्वारा एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया | अंकित बरेजा और तरुण लालवानी द्वारा निर्देशित "एक था गधा – उर्फ अल्दाद खां" ने सभी दर्शकों का मन मोह लिया | किस प्रकार अपनी झूठी शान बचाए रखने के लिये एक मूर्ख नवाब द्वारा एक गधे की जगह एक बेगुनाह गरीब की हत्या कर दी जाती है, का इस नाटक में अद्भुत चित्रण किया गया था | बीच-बीच में हास्यात्मक संवादों ने जनता को गुदगुदाने पर मजबूर कर दिया व गायक दल द्वारा नाटक के पात्रों के परिचय एवं नाटक की पृष्ठभूमि की गायन के रूप में प्रस्तुति ने इसमें चार चाँद लगा दिए | नवाब के किरदार में धनन्जय गौड़ ने अपने अभिनय से सबका मन जीत लिया | कोतवाल, चिंतकों व बाक़ी सभी पात्रों के अभिनय को भी दर्शकों द्वारा खूब सराहा गया | कुल मिलाकर यह नाटक काफ़ी हद तक जनता को लुभाने में सफल रहा |

रचित जोशी
'चिन्तक'

अलक्षित त्रिपाठी
'अलदाद खान'

प्लेसमेंट—आँकड़ों में*

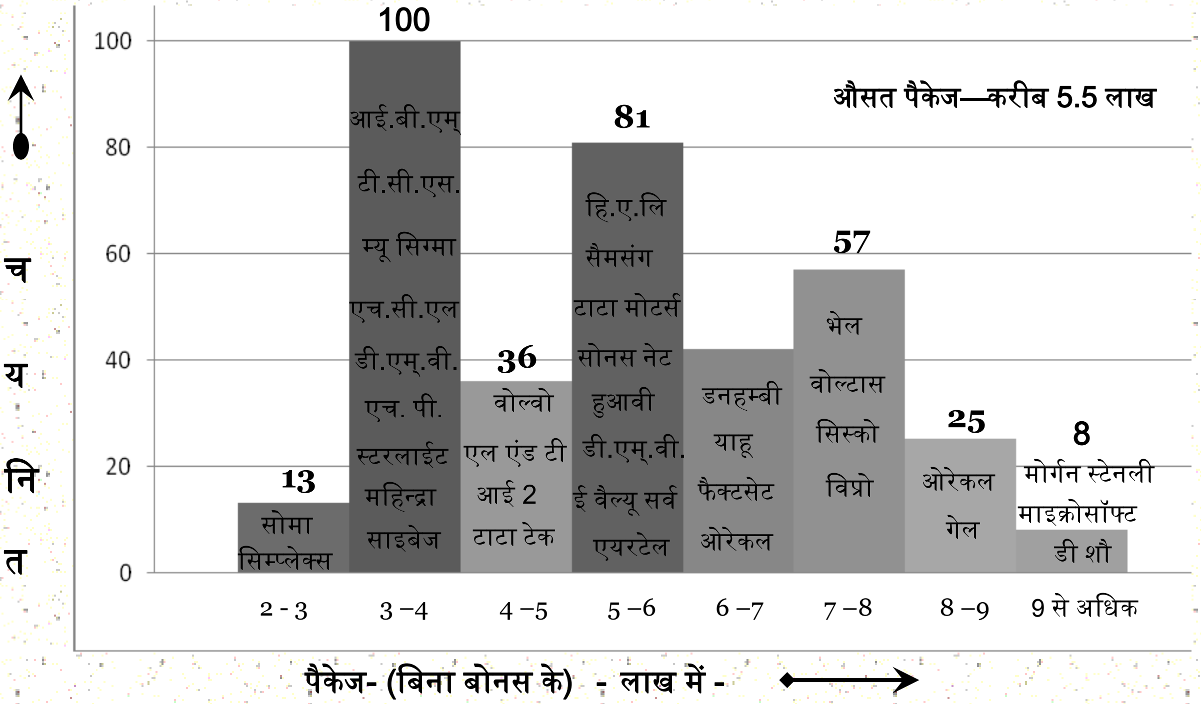

*- कुछ आँकड़े सांकेतिक हैं | इनमें मामूली परिवर्तन सम्भव है |

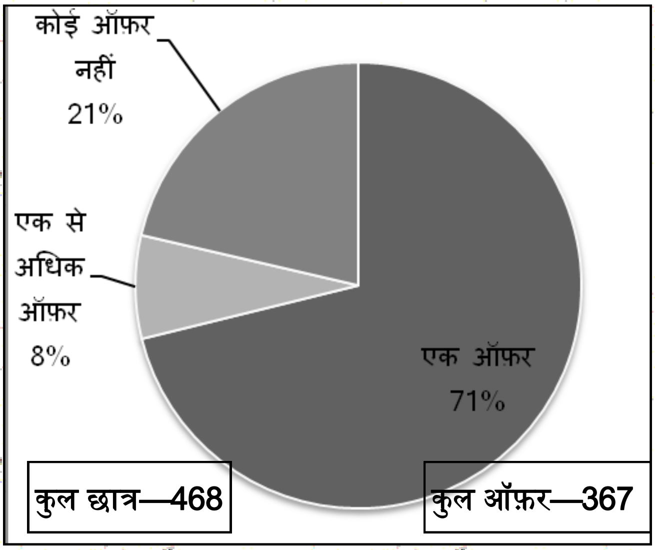

सर्वाधिक

पैकेज	चयनित छात्र
डी शौ—11 लाख	हि.ए.लि— 29
माइक्रोसॉफ्ट-10.5 लाख	सिस्को— 22

कुछ प्रमुख कम्पनियाँ जो सिर्फ एक ही सेमेस्टर के लिए कैम्पस पर आयीं

पहले सेमेस्टर	दूसरे सेमेस्टर
शैल	माइक्रोसॉफ्ट
एडोबे	डी शौ
आई.ओ.सी.एल.	सिस्को

प्लेसमेंट कमिटी

अगले सेमेस्टर से प्लेसमेंट प्रक्रिया को और प्रभावकारी व पारदर्शी बनाने के लिए व इसमें छात्रों की भागीदारी बढ़ाने के लिए एक 70 -80 छात्रों की कमिटी का गठन किया जा रहा है | इस कमिटी में अलग वर्ष व अलग कार्य कुशलता के लोगों के लिए 6-7 अलग टीमें रहेंगी | प्रत्येक टीम अपने अपने कार्य के लिए समर्पित रहेगी |

स्टूडेंट प्लेसमेंट समन्वयक शुभांशी के अनुसार, अगर इस सेमेस्टर कार्यरत मात्र 8 – 10 Volunteers करीब 70-80 कम्पनियाँ ला सकते हैं तो ये 70-80 छात्रों की कमिटी तो दो सौ से भी अधिक कम्पनियाँ लाने की क्षमता रखेगी |

प्लेसमेंट विभाग के डीन प्रोफेसर एम.एस. दासगुप्ता के अनुसार छात्रों को इसे एक क्लब मानकर इससे जुड़ जाना चाहिए |